* G I - 0 1 4 0 4 2 *

GI-014042 Seat No._____

B. A. (Sem. IV) Examination

March / April - 2019

BAOOC-402 : Hindi

(Nibandh Avam Aanya Gadhya Viddhyae)

(Core Course)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **70**

१ आचार्य रामचन्द्र शुक्ल रचित 'साहित्य का स्वरूप' निबन्ध की समीक्षा कीजिए । १४

अथवा

१ 'साहित्य और जीवन' निबन्ध का सारांश लिखिए । १४

२ '' 'भोलाराम का जीव' व्यंग्य में सरकारी दफ्तरों में फैले भ्रष्टाचार पर व्यंग्य है ।'' – इस कथन की पुष्टि कीजिए । १४

अथवा

२ 'तुम कब जाओगे, अतिथि' के कथ्य पर प्रकाश डालिए । १४

३ संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : १४

(अ) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं ?' की प्रतीकात्मकता ।

अथवा

(अ) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं ?' निबन्ध का सार ।

(आ) 'मेरा गाँव–घर' निबन्ध का मर्म ।

अथवा

(आ) 'मेरा गाँव–घर' निबन्ध का शीर्षक ।

४ सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : १४

(क) दोनों महारथियों में कभी किसी प्रकार का मनोमालिन्य अथवा वैमनस्य नहीं हुआ । उनकी तीव्र आलोचना करने वाले सज्जन भी उनके पास पहुँचकर यथोचित आदर–मान पाते थे । किसी के प्रति उनके मन में कोई रागद्वेष न था ।

अथवा

(क) किन्तु उनके जीवनकाल में ही उनका उत्कर्ष बहुतों को असह्य हो गया था । उनकी रचनाओं की कटु–से–कटु आलोचना होती रही, पर उन्होंने कभी उस पर ध्यान न दिया । वे स्वान्तःसुखाय लिखते थे, अर्थ या यश की कामना से नहीं ।

(ख) समय का इतना अधिक बोध उसे हो गया था कि मोटर के फाटक में प्रवेश करते ही वह बां–बां की ध्वनि से हमें पुकारने लगती । चाय, नाश्ता तथा भोजन के समय से भी वह प्रतीक्षा करने के उपरांत रंभा–रंभाकर घर सिर पर उठा लेती थी ।

अथवा

(ख) यदि दीर्घ निःश्वास का शब्दों में अनुवाद हो सकता,
तो उसकी प्रतिध्वनि कहेगी, 'आह मेरा गोपालक देश ।'

५ (अ) निम्नलिखित वाक्यों को लिखकर सही वाक्य के सामने सही (✓) और गलत वाक्य के सामने गलत (×) का निशान लगाइए : ७

(१) आचार्य रामचन्द्रशुक्ल के निबन्ध संग्रह का नाम 'चिंतामणि' है ।
(२) महात्मा गांधी ने 'गाय करुणा की कविता है' कहा है ।
(३) जयशंकर प्रसाद छायावाद के कवि नहीं थे ।
(४) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' हजारीप्रसाद द्विवेदी का नाटक है ।
(५) विद्यानिवास मिश्र ललित निबन्धकार हैं ।
(६) 'तुम कब जाओगे, अतिथि' के लेखक परसाईजी हैं ।
(७) 'साहित्य और जीवन' चिन्तनात्मक निबंध है ।

(आ) सही जोड़े मिलाइए : ७

क	ख
(१) साहित्य का स्वरूप	(१) क्या तुम्हें तुम्हारी पृथ्वी नहीं पुकारती ?
(२) गौरा	(२) आप साधु हैं, आपको दुनियादारी समझ में नहीं आती ।
(३) नाखून क्यों बढ़ते हैं ?	(३) अपने हाथों से बहुत स्वादिष्ट भोजन बनाते थे ।
(४) तुम कब जाओगे, अतिथि	(४) कदाचित सुईने हृदय को बेध कर बंद कर दिया ।
(५) भोलाराम का जीव	(५) काट दीजिए , वे चुपचाप दंड स्वीकार कर लेंगे ।
(६) महाकवि जयशंकर प्रसाद	(६) व्यंजना दो प्रकार की मानी गयी है ।
(७) मेरा गाँव–घर	(७) शायद दहेंड़ी उतनी सोंधियायी नहीं जाती ।